भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3584
17 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: प्राकृतिक और जैविक कृषि करने वाले किसानों के आंकड़ें

3584. श्री तनुज पुनियाः
क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास देश में प्राकृतिक और जैविक कृषि प्रणाली अपनाने वाले किसानों के संबंध में आंकड़ें हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रत्येक राज्य में इसका प्रतिशत कितना है;

(ख) क्या सरकार द्वारा प्राकृतिक और जैविक खेती में संलग्न किसानों के लिए मौजूदा प्रोत्साहन राशि में वृद्धि की गई है अथवा वृद्धि करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने किसानों के उपयोग हेतु जैव-उर्वरकों के अलावा अन्य खादों की बिक्री बढ़ाने के प्रयास किए हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) देश में प्राकृतिक और जैविक कृषि प्रणाली की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): भारत सरकार परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और इसकी उप-योजना भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन (एमओवीसीडीएनईआर) के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। बीपीकेपी को अब राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन में बदल दिया गया है जिसे 25 नवंबर, 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था। पीकेवीवाई, एमओवीसीडीएनईआर और बीपीकेपी के तहत किसानों की कुल संख्या क्रमशः 19.37 लाख, 1.89 लाख और 2.15 लाख है।

(ख): प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले किसानों के लिए मौजूदा प्रोत्साहनों को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) एवं (घ): भारत सरकार किण्वित जैविक खाद (एफओएम) सहित जैविक उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है। पीकेवीवाई और एमओवीसीडीएनईआर योजनाओं के तहत, किसानों को खेत पर/खेत से बाहर जैविक इनपुट के लिए प्रत्यक्ष लाभ के माध्यम से तीन साल की अवधि के लिए 15,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता प्रदान की जाती है। गोबरधन पहल के तहत संयंत्रों में उत्पादित जैविक उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए बाजार विकास सहायता के तहत 1500 प्रति मीट्रिक टन की दर से सहायता प्रदान की जाती है।

(ङ): पीकेवीवाई, एमओवीसीडीएनईआर और राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के माध्यम से प्राकृतिक और जैविक खेती प्रणालियों को प्रोत्साहित और सहायता प्रदान की जा रही है।

*****